भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

मौखिक प्रश्न सं. †*92

सोमवार, 10 फरवरी, 2025/21 माघ, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

असम में पर्यावरण और विरासत पर्यटन

†***92. श्रीमती बिजुली कलिता मेधी:**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार की असम में पर्यावरण और विरासत पर्यटन को किस प्रकार बढ़ावा देने की योजना है; और

(ख) काजीरंगा और कामाख्या मंदिर जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पर सुविधाएं बढ़ाने के लिए उठाए जा रहे विशिष्ट कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ख): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

श्रीमती बिजुली कलिता मेधी द्वारा असम में पर्यावरण और विरासत पर्यटन के संबंध में दिनांक 10.02.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के मौखिक प्रश्न सं. †*92 के भाग (क) से (ख) के उत्तर में **विवरण**

(क) और (ख): इको और विरासत पर्यटन सहित पर्यटक स्थलों और उत्पादों के विकास एवं संवर्धन की जिम्मेदारी मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन की है। पर्यटन मंत्रालय विभिन्न योजनाओं और पहलों के माध्यम से असम में इको और विरासत पर्यटन सहित देश के विभिन्न पर्यटक उत्पादों के विकास और संवर्धन द्वारा राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के प्रयासों को सम्पूरित करता है।

पर्यटन मंत्रालय उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट (आईटीएम) का आयोजन करता है। यह आयोजन एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है, जो क्रेताओं, विक्रेताओं, मीडिया, सरकारी एजेंसियों और अन्य हितधारकों के बीच सहयोग और संवाद को बढ़ावा देने के लिए उत्तर-पूर्वी राज्यों के पर्यटन व्यवसायों और उद्यमियों को एक साथ लाता है। पर्यटन मंत्रालय ने 26 से 29 नवंबर, 2024 तक काजीरंगा में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट (आईटीएम) के 12वें संस्करण का आयोजन किया।

भारत को इको पर्यटन के लिए एक पसंदीदा वैश्विक गंतव्य के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से पर्यटन मंत्रालय ने इको-पर्यटन हेतु राष्ट्रीय कार्यनीति तैयार की है।

पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों की सहायता' नामक अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से असम राज्य सहित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करके देश में पर्यटन अवसंरचना विकास के प्रयासों को सम्पूरित करता है।

स्वदेश दर्शन योजना के तहत असम में दो परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी जिसमें से एक वन्यजीव परिपथ के अंतर्गत काजीरंगा में किया गया पहल शामिल है और विरासत परिपथ के अंतर्गत एक परियोजना है। इन परियोजनाओं का ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है।

पर्यटन मंत्रालय ने गंतव्य और पर्यटक-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए, स्थायी और जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन स्थलों को विकसित करने के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के नाम से नया रूप दिया है। इसके तहत कोकराझार और जोरहाट को विकास के लिए चिह्नित किया गया है।

पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन 2.0 की 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास' नामक उप-योजना के लिए दिशानिर्देश भी जारी किए हैं, जिसका उद्देश्य पर्यटक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए गंतव्य का समग्र विकास करना है। असम राज्य में विकास के लिए चिह्नित गंतव्य का ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है।

प्रशाद योजना के तहत, मंत्रालय ने 'कामाख्या मंदिर में तीर्थ सुविधाओं का विकास' नामक एक परियोजना स्वीकृत की है।

पर्यटकों के लिए बेहतर साधन और सुविधाएं उपलब्ध कराने की दृष्टि से रेल मंत्रालय और पर्यटन मंत्रालय द्वारा 50:50 की लागत शेयरिंग के आधार पर 'कामाख्या रेलवे स्टेशन का संयुक्त विकास' नामक परियोजना स्वीकृत की गई थी।

भारत सरकार ने प्रतिष्ठित पर्यटक केन्द्रों के विकास हेतु पूंजी निवेश के लिए राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) के दिशानिर्देशों के अंतर्गत असम में दो परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है।

पर्यटन मंत्रालय की उपर्युक्त योजनाओं के तहत असम राज्य के लिए स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है।

असम सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, काजीरंगा में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए वर्ष 2021-22 में उत्तर-पूर्वी परिषद द्वारा स्वीकृत "काजीरंगा में पर्यटक सुविधाओं का उन्नयन" नामक परियोजना असम सरकार द्वारा निष्पादित की गई है और यह परियोजना नवंबर, 2024 में पूरी हो गई है। इसके अलावा, असम सरकार की अमर अलोही योजना के तहत, वित्त वर्ष 2017-18 और 2018-19 में काजीरंगा में सोलह लाभार्थियों का चयन किया गया था और तदनुसार कार्य पूरे कर लिए गए थे।

*****

अनुबंध

श्रीमती बिजुली कलिता मेधी द्वारा असम में पर्यावरण और विरासत पर्यटन के संबंध में दिनांक 10.02.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के मौखिक प्रश्न सं. †*92 के भाग (क) से (ख) के उत्तर में **विवरण**

असम राज्य के लिए स्वदेश दर्शन योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

क्र. सं.	**परिपथ**	**स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
1	वन्यजीव परिपथ	2015-16	मानस- प्रोबितोरा- नामेरी- काजीरंगा- डिब्रू-सैखोवा का विकास	94.68
2	विरासत परिपथ	2016-17	तेजपुर-माजुली-शिवसागर का विकास	90.98

असम राज्य के लिए स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

क्र. सं.	**गंतव्य**	**एक्सपीरियंस का नाम**	**स्वीकृत लागत (करोड़ रु. में)**	**स्वीकृति की तिथि**
1	कोकराझार	कोकराझार वेटलैंड एक्सपीरियंस	26.67	05-03-2024
2	जोरहाट	रीइमेजिनिंग सिन्नामारा टी इस्टेट	23.91	05-03-2024

चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी) योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित गंतव्य

क्र. सं.	**गंतव्य**	**श्रेणी**	**वित्तपोषण राशि (करोड रु. में)**
1.	शिवसागर	इको पर्यटन और अमृत धरोहर स्थल	10.00

असम राज्य के लिए पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई)- वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों का विकास योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

क्र. सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृत लागत (करोड़ रु. में)	स्वीकृति की तिथि
1.	गुवाहाटी में असम राज्य चिड़ियाघर सह वनस्पति उद्यान	97.12	26-11-2024
2.	शिवसागर में रंग घर का सौंदर्यीकरण	94.76	26-11-2024

असम राज्य के लिए प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

क्र. सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	स्वीकृत लागत (करोड़ रु. में)
1.	कामाख्या मंदिर में तीर्थयात्रा सुविधाओं का विकास	2015-16	29.80

असम राज्य के लिए केंद्रीय एजेंसियों की सहायता योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

क्र. सं.	परियोजना का नाम	एजेंसी	स्वीकृति वर्ष	स्वीकृत लागत (लाख रु. में)
1.	राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या 1 एवं 2 पर नदी क्रूज के चढ़ने/उतरने के 9 मुख्य बिंदुओं पर जेटी का विकास	आईडब्ल्यूएआई	2020-21	28.03
2.	कामाख्या रेलवे स्टेशन का संयुक्त विकास	रेल मंत्रालय	2018-19	4.96
3.	गुवाहाटी रेलवे स्टेशन का संयुक्त विकास	रेल मंत्रालय	2018-19	4.99

*****